वर्ष 1 - अंक 34
सोमवार 30 दिसम्बर 2024- कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

दिल्ली हाईकोर्ट बोला- शारीरिक संबंध का मतलब यौन उत्पीड़न नहीं, दोषी साबित करने के लिए सबूत चाहिए

नई दिल्ली ■

दिल्ली हाईकोर्ट ने पॉक्सो एक्ट के मामले में सुनवाई करते हुए कहा है कि नाबालिग पीड़िता के शारीरिक संबंध शब्द इस्तेमाल करने का मतलब यौन उत्पीड़न नहीं हो सकता। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस अमित शर्मा की बेंच ने इसके साथ ही आरोपी को बरी कर दिया। उसे ट्रायल कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

हाईकोर्ट की बेंच ने कहा,

ये साफ नहीं है कि ट्रायल कोर्ट ने कैसे निष्कर्ष निकाला कि जब पीड़ित अपनी मर्जी से आरोपी के

साथ गई थी, तो उसका यौन उत्पीड़न हुआ था।

बेंच ने कहा- शारीरिक संबंध या संबंध से यौन उत्पीड़न और पेनिट्रेटिव सेक्शुअल असॉल्ट बताना सबूतों के मिलने पर तय करना चाहिए। केवल अनुमान लगाकर ये तय नहीं किया जा सकता।

दरअसल, 2017 में 14 साल की लड़की को एक व्यक्ति अपने साथ ले गया था। लड़की फरीदाबाद में व्यक्ति के साथ पाई गई थी। दिसंबर 2023 में व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो, रेप और यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया गया था।

कोर्ट ने कहा-

संबंध बनाया' शब्द का इस्तेमाल भी पॉक्सो अधिनियम की धारा 3 या भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत अपराध तय करने के लिए पर्याप्त नहीं है। हालांकि पॉक्सो एक्ट के तहत अगर लड़की नाबालिग है तो सहमति मायने नहीं रखती, लेकिन 'शारीरिक संबंध' शब्द को 'यौन संभोग' तो दूर 'यौन उत्पीड़न' में भी नहीं बदला जा सकता।

हाईकोर्ट ने कहा था- यौन उत्पीड़न महिला-पुरुष दोनों कर सकते हैं, ऐसे मामलों में जेंडर कोई ढाल नहीं है

10 अगस्त 2024 को दिल्ली हाईकोर्ट ने पॉक्सो एक्ट से जुड़े एक दूसरे मामले पर सुनवाई की थी। जस्टिस जयराम भंभानी ने कहा था कि पॉक्सो एक्ट के तहत पेनिट्रेटिव यौन हमले और गंभीर पेनिट्रेटिव यौन हमला (जबरन किसी चीज से बच्चों के निजी अंगों से छेड़छाड़) केस महिलाओं के खिलाफ भी चलाया जा सकता है। ऐसे मामलों में जेंडर कोई ढाल नहीं हैं।

कोर्ट की टिप्पणी एक महिला की दाखिल याचिका पर आई थी। उसका तर्क था कि पॉक्सो एक्ट की धारा 3 में पेनिट्रेटिव यौन हमला और धारा 5 में गंभीर पेनिट्रेटिव यौन हमला का केस किसी महिला पर दर्ज नहीं हो सकता क्योंकि इनकी डेफिनेशन से पता चलता है कि इसमें केवल सर्वनाम 'वह' का उपयोग किया गया है। जो कि पुरुष को दर्शाता है, महिला को नहीं।

महिला पर साल 2018 में केस दर्ज हुआ था। मार्च 2024 में ट्रायल कोर्ट ने उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत आरोप तय किए थे। इसके बाद महिला ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

पटना में बीपीएससी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज, पुलिस ने सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

पटना ■

पिछले 8 दिनों से अनशन कर रहे बीपीएससी अभ्यर्थियों पर पटना पुलिस ने बुधवार को लाठीचार्ज किया. सरकार की ओर से उनकी मांगों को अनसुना किए जाने के बाद अभ्यर्थी आज बीपीएससी ऑफिस का घेराव करने जा रहे थे, जहां पुलिस ने उनके ऊपर लाठीचार्ज कर दिया. पुलिस ने अभ्यर्थियों को सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा.

लाठीचार्ज में कई अभ्यर्थी बुरी तरह से घायल हो गए हैं. जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने आंदोलन अभ्यर्थियों से बीपीएससी ऑफिस से वापस जाने को कहा लेकिन वे नहीं माने. इसके बाद पुलिस ने लाठी का

सहारा लिया तो पटना की सड़कों पर अफरा-तफरी मच गई. पुलिस ने अभ्यर्थियों को हटाने के लिए लाठीचार्ज किया. लाठीचार्ज के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. घायल छात्रों ने कहा, ह्यपुलिस सभी को पीट रही है. कोई उपद्रवी नहीं है यहां पर सभी सीरियस अभ्यर्थी हैं. बहनों को भी पीटा गया है. हम लोग अच्छे से जाकर बात रखना चाह रहे थे.

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले-

हमारे दुश्मन बाहरी हो या आंतरिक, उन पर पैनी नजर रखना होगी

इंदौर ■

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिन के इंदौर जिले के महू दौरे पर हैं। उनके साथ आर्मी चीफ जनरल उपेन्द्र द्विवेदी भी पहुंचे हैं। यहां पर आर्मी की सभी यूनिटों का दौरा करेंगे। आर्मी वॉर कॉलेज में आयोजन के दौरान संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाया जाए। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में सेना की अहम भूमिका होगी।

हमें खुद को रहना होगा अलर्ट- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि हमें खुद को हमेशा अलर्ट रहने की आवश्यकता है। आपका अनुशासन साधना से कम नहीं। देश की उत्तरी और पश्चिमी सीमा पर लगातार चुनौतियों का लगातार सामना करना पड़ा रहा है। हमारे दुश्मन बाहरी हों या आर्तरिक, हमें उन गतिविधियों पर अपनी पैनी नजर रखनी होगी। महू के बारे उन्होंने कहा कि आर्मी वॉर कॉलेज इन्फेंटरी स्कूल और मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलिकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग भी सेवाएं दे रहे हैं। आगे उन्होंने बताया कि आप जब भी कुछ करने की सोचते हैं। तो कैलकुलेट नहीं करते। बल्कि आप यह सोचते हैं कि आपको यह करना ही है, यही आपका डेडिकेशन, समर्पण सभी देशवासियों को प्रेरित करता है।

आंबेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

महू का यह क्षेत्र कई कारणों से ऐतिहासिक महत्व रखता है। बाबा साहेब भीभराव अंबेडकर के जन्म स्थान होने के कारण, यह क्षेत्र हम सबके लिए, किसी पुण्य भूमि से कम नहीं है। उनके जन्म स्थान होने के अलावा भी यह क्षेत्र कई कारणों से महत्वपूर्ण है। रक्षा मंत्री ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

साउथ कोरिया में प्लेन क्रैश, 179 पैसेंजर्स की मौत, लैंडिंग के दौरान पहिए नहीं खुले...

सियोल ■

साउथ कोरिया में मुआन एयरपोर्ट पर जेजू एयर का विमान क्रैश हो गया। न्यूज एजेंसी अढ के मुताबिक विमान में 175 पैसेंजर और 6 क्रू मेंबर समेत 181 लोग थे। इस हादसे में 179 लोगों की मौत हो गई है। रेस्क्यू टीम ने 2 लोगों को जिंदा बचा लिया। प्लेन से सभी शव निकाले जा चुके हैं। मरने वालों में 84 पुरुष और 85 महिलाएं हैं। अब तक 10 शवों की पहचान नहीं हो पाई है।

यह हादसा भारतीय समय के मुताबिक रविवार सुबह 5:37 बजे (लोकल टाइम सुबह 9:07 बजे) हुआ। थाइलैंड की राजधानी बैंकॉक से आ रहा यह प्लेन एयरपोर्ट पर लैंड करने वाला था, लेकिन लैंडिंग गियर

दो बार लैंडिंग की कोशिश की, दूसरी बार में हादसा

जेजू एयरलाइन का जो प्लेन क्रैश हुआ है, वह अमेरिकी कंपनी बोइंग का 737-800 प्लेन था। प्लेन ने एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए दो बार कोशिश की। पहली बार में लैंडिंग गियर नहीं खुलने की वजह से प्लेन लैंड नहीं हो पाया था। इसके बाद प्लेन ने एयरपोर्ट का एक चक्कर लगाया था। पायलट ने दूसरी बार प्लेन को बिना लैंडिंग गियर के ही बैली लैंडिंग (बॉडी के बल) कराने का फैसला किया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में मुताबिक प्लेन के विंग से पक्षी के टकराने का दावा किया जा रहा है। इसकी वजह से लैंडिंग गियर खराब हुआ और लैंड करते वक्त खुल नहीं पाया।

में खराबी की वजह से विमान के पहिए नहीं खुले। इमरजेंसी में विमान की बेली लैंडिंग कराई गई। इसमें प्लेन की बॉडी सीधे रनवे से टकराती है। इस दौरान विमान रनवे पर फिसलता हुआ एयरपोर्ट की बाउंड्रीवाल से जा टकराया। उसमें धमाके के साथ आग लग गई। इधर रॉयटर्स ने खबर दी है कि हादसे के पहले मुआन एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (अळउ) से प्लेन से पक्षी टकराने का अलर्ट भेजा गया था। प्लेन के लैंडिंग गियर में खराबी की एक वजह यह भी हो सकती है।

आग बुझाने में 43 मिनट लगे

मुआन एयरपोर्ट के दमकल अधिकारी ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स से बात करते हुए बताया कि प्लेन में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। हालांकि आग को बुझाने में 43 मिनट का वक्त लगा। फिलहाल क्रैश साइट पर बचाव कार्य जारी है। ज्यादातर लोग प्लेन के पिछले हिस्से में थे, उन्हें वहां से बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है।

सीएम आवास में भी एक शिवलिंग- अखिलेश यादव

मंदिर मस्जिद विवाद को लेकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर हमला बोला है. प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खुदाई के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि सीएम आवास में भी एक शिवलिंग है, इसकी भी खुदाई होनी चाहिए. सपा प्रमुख ने संभल मामले को ध्यान में रखकर सरकार पर ये निशाना साधा. मंदिर मस्जिद विवाद पर अखिलेश लगातार मुखर रहे हैं. इसी महीने उन्होंने संभल में सर्वे के दौरान हुई हिंसा पर कहा था कि संभल इसलिए जाना जाता था कि भाईचारे के साथ वहां रहते हैं. वहां के भाईचारे को गोली मारने का काम हुआ है. यह खुदाई जो है हमारे देश के सौहार्द- भाईचारे को खोदेगा. इसके इतर पीसी में अखिलेश ने कहा कि ये सरकार पूरा खजाना खाली कर के जाएगी.

कांग्रेस बोली-मनमोहन को गन सैल्यूट के दौरान मोदी बैठे रहे, परिवार को जगह नहीं मिली

नई दिल्ली ■

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक विवाद के बाद कांग्रेस ने अब उनके उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था को लेकर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के राजकीय अंतिम संस्कार में सरकार की तरफ से अव्यवस्था और अनादर देखकर हैरानी हुई। खेड़ा ने 9 पॉइंट में अंतिम संस्कार से जुड़ी आपत्तियां दर्ज कराईं। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह के परिवार के लिए 3 ही कुर्सियां रखी गईं। परिवार के बाकी लोगों को कुर्सियां मांगनी पड़ीं।

इसके अलावा उन्होंने पीएम मोदी पर ये आरोप भी लगाया कि जब डॉ. सिंह की पत्नी को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा गया और गन सैल्यूट दिया गया तो पीएम मोदी और मंत्री खड़े नहीं हुए। खेड़ा ने कहा कि डॉ. सिंह सम्मान और गरिमा के हकदार थे। इस अव्यवस्था से ये साफ होता है कि एक महान नेता के प्रति केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं और लोकतांत्रिक मूल्यों में कितनी कमी है।

जनवरी में UP-MP समेत 7 राज्यों में भाजपा अध्यक्ष बदलेंगे

नई दिल्ली ■

भाजपा में जल्द ही संगठन स्तर पर बड़ा फेरबदल होने वाला है। नए साल में जनवरी के आखिरी या फरवरी के पहले हफ्ते में पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। हालांकि पार्टी के संविधान के मुताबिक इससे पहले 50 प्रतिशत राज्यों में संगठन के चुनाव पूरे कराने हैं। इसके अलावा 15 जनवरी तक मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और झारखंड में प्रदेश अध्यक्ष भी बदले जाएंगे। संगठन चुनाव को लेकर रविवार को दिल्ली में पार्टी की बैठक हुई। 15 जनवरी, 2025 तक राज्य और जिला अध्यक्षों

के चुनाव पूरे होने हैं। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया शुरू होगी और जनवरी अंत तक भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी। इसके अलावा, इस साल 25 दिसंबर को अटल जी की 100 जयंती के उपलक्ष्य में, बैठक में 25 दिसंबर 2025 तक पूरे साल सुशासन और संविधान पर्व मनाने का फैसला लिया गया है।

विश्व रत्न थे मो. रफी साहब, न दूसरे हुए न होंगे : शाहिद रफी

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

रफी साहब को भारत रत्न मिले यह दुनिया भर के संगीत प्रेमियों के साथ हम परिवारजन भी चाहते हैं। लेकिन फिर यह खयाल भी आता है कि रफी साहब तो दुनिया भर के संगीत प्रेमियों के दिलों में बसे हुए हैं। वास्तव में वे विश्व रत्न हैं। यह बात अमर गायक श्री मोहम्मद रफी साहब के सबसे छोटे सुपुत्र श्री शाहिद रफी ने स्टेट प्रेस क्लब, मप्र के संवाद कार्यक्रम में संस्कृतिकर्मी एवं पत्रकार आलोक बाजपेयी के प्रश्नों के उत्तर में कहीं।

उन्होंने रफी साहब के जन्म शताब्दी वर्ष में दुनिया में किए जा रहे आयोजनों के संदर्भ में कहा कि 24 दिसम्बर में पूरे मुम्बई में छोटा - बड़ा कोई भी सभागार खाली नहीं था। रफी साहब की लोकप्रियता हर बीतते वर्ष के साथ बढ़ती जा रही है जो कि ऊपर वाले का करम है। रफी साहब बहुत ही विनम्र, खुदा से डरने वाले, साफ दिल और मददगार इंसान थे। वो

अपनी आवाज, उसकी खूबियों और सारी उपलब्धियों को ईश्वर की देन मानते थे और हमें भी सदा यही सीख दी कि सदा निगाह जमीन पर रखना, आसमान निगाह रखने से ठोकर लग सकती है। उन्होंने कभी यह एहसास नहीं होने दिया कि वे इतने बड़े सितारा गायक हैं और हमने सदैव सिर्फ बहुत कम और धीमी आवाज में बोलने वाले बहुत प्यार करने वाले, परिवार के प्रति समर्पित पिता के रूप में ही देखा। मो. रफी साहब की दयानतदारी के विषय में श्री शाहिद रफी ने कहा कि यदि उन्होंने दूसरों की तरह पैसे बटोरे होते तो आधा बांद्रा हमारा होता। उन्होंने एक किस्सा सुनाते हुए कहा कि रफी साहब के इंतकाल के बाद एक फकीर कश्मीर से घर आया और रफी साहब से मिलने की ज़िद करने लगा। जब उसे बताया गया कि रफी साहब को गुजरे छह माह बीत गए तब उस फकीर ने कहा कि तभी मैं सोचूं कि हर महीने पैसे आना क्यों बंद हो गए। रफी साहब द्वारा गाने की रिकॉर्डिंग की तैयारी बताते हुए उन्होंने कहा कि वे सबसे पहले गीत लिखते, हमारे मामू के साथ उसकी मात्राओं आदि को दुरुस्त कर अपनी मार्किंग करते और फिर अपनी संतुष्टि तक रिहर्सल करते। यह रिहर्सल कई दिन और हफ़्ते भी चल सकती थी।' ओ दुनिया के रखवाले ' गीत की रिहर्सल की उन्होंने एक महीने रिहर्सल की थी। फिल्म निमार्ता बी आर चोपड़ा कि फिल्मों में कुछ वर्ष गाने न गाने का राज बताते हुए उन्होंने किस्सा सुनाया कि श्री चोपड़ा ने मांग की थी कि रफी साहब सिर्फ उनके बैनर के लिए गाएं, जिसे रफी साहब ने विनम्रता से ठुकरा दिया था। इसके बाद चोपड़ा जी ने रफी साहब से गीत नहीं गवाया लेकिन ' वक़्त' फिल्म के लिए अंततः उन्हें गाना गवाना ही पड़ा क्योंकि संगीतकार का कहना था कि ये गीत सिर्फ रफी साहब ही गा सकते हैं और रफी साहब ने बिना किसी शिकायत के गाना रिकॉर्ड किया था। 'बाबुल की दुनिया लेती जा ' गीत का किस्सा सुनाते हुए उन्होंने बताया कि इस गीत के रिकॉर्डिंग के मात्र सात दिन पहले सबसे बड़ी और लाडली बेटी की शादी थी। अब्बा ने उस समय अपनी भावनाओं को जज्ब रखा। इस गीत की रिहर्सल में भी वे संयत रहे लेकिन गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान आखिरी अंतरे में बेटी की याद में उनकी रुलाई फूट पड़ी और गीत में उनकी हिचकी असली ही थी। यह गीत संगीतकार के अनुरोध पर वैसा ही रिलीज हुआ। अपने तुलना रफी साहब से किए जाने के दबाव पर उन्होंने विनम्रता से कहा कि दुनिया में सिर्फ एक ही रफी साहब हो सकते हैं। कार्यक्रम के प्रथम चरण में स्टेट प्रेस क्लब, मप्र के अध्यक्ष श्री प्रवीण कुमार खारीवाल, बंसी लालवानी, सुदेश गुप्ता, दीपक पाठक, कुमार लाहोटी, संजय मेहता, पूर्व आरटीओ श्री आर आर त्रिपाठी, पुष्कर सोनी एवं राजेंद्र कोपरगांवकर ने श्री शाहिद रफी, श्री आर के शर्मा एवं श्री मनीष शुक्ला का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रश्नों के साथ सूत्र संचालन श्री आलोक बाजपेयी ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन श्री प्रवीण कुमार खारीवाल ने किया।

श्री शाहिद रफी उवाच

किशोर कुमार और रफी साहब की कोई प्रतिद्वंदिता नहीं थी। ये उड़ाई हुईं बातें हैं। दोनों एक दूसरे को बहुत पसंद करते थे, एक दूसरे के साथ आनंद करते और उनके लायक गाने के लिए एक दूसरे की सिफारिश करते थे।

रफी साहब हर संगीतकार को उस्ताद मानकर सम्मान देते थे क्योंकि उसने उन्हें वह गीत सिखाया।

दादाजी कभी नहीं चाहते थे कि रफी साहब संगीत में जाएं। लेकिन अंततः संगीत की जीत हुई।

रफी साहब की कार का रंग हमेशा एकदम अलग होता था और इसलिए उनकी कार दूर से पहचानी जाती थी। ट्रैफिक सिग्नल पर उन्हें मांगने वाले घेरते तो वे बिना देखे या गिने दान देते थे। उनका कहना था कि ऊपरवाले जब उन्हें बिना गिने दिया है तो वे क्यों गिनकर दें।

लताजी से छोटी सी अनबन को कभी उन्होंने दिल में नहीं रखा। उनके बीच प्रेमपूर्ण रिश्ता था।

एक गाने में उनके गले से खून निकलने की बात भी मनगढ़ंत थीं।

भोपाल से पीथमपुर तक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर जहरीला कचरा लाने की तैयारी, कटेंनरों में लाएंगे

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

भोपाल में गैस त्रासदी की वजह बने कचरे को चालीस साल बाद पीथमपुर लाया जा रहा है। पीथमपुर में इसका निपटान होगा। कचरे को भस्मक में जलाया जाएगा और जो जलने योग्य नहीं है, उसे लैंडफील किया जाएगा। इसका पीथमपुर में लगातार विरोध हो रहा है, लेकिन शासन छह जनवरी से पहले पीथमपुर में कचरा लाने की प्रक्रिया शुरू कर देगा। इसका मामला हाईकोर्ट में है। सरकार को कोर्ट में जवाब भी पेश करना है।

भोपाल में कचरे के निपटना की तैयारी शुरू हो चुकी है। 40 साल से बंद पड़ी फैक्टरी पर कंटेनर भेजे जा रहे है। प्रशिक्षित

कर्मचारी ही विषैले कचरे को उठाकर कंटेनर में भरेंगे। विशेषज्ञों की निगरानी में कचरा तय प्रक्रिया अपनाकर कंटेनरों में भरा जाएगा। इसके बाद भोपाल से इंदौर तक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर कचरे को लाया जाएगा। इस कचरे के निपटान के लिए केंद्र सरकार ने रामकी कंपनी को 136 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

337 टन कचरा जलाने में लगेंगे छह माह

रामकी कंपनी को भी तय प्रक्रिया के तहत विषैले कचरे को जलाना होगा। हर घंटे में 90 किलो कचरा जलाया जाएगा। इस लिहाज से 337 टन कचरे के निपटान में डेढ़ सौ दिन से ज्यादा का समय लगेगा। शुरूआती में प्रयोग के तौर पर कचरा जलाया जाएगा और उससे होने वाले असर का परीक्षण किया जाएगा,हालांकि वर्ष 2008 में दस टन कचरा पीथमपुर के तारापुर गांव में दफन किया जा चुका है। इस कारण गांव की नदी का पानी दूषित हो चुका है। गांव के आसपास की खेती भी इससे प्रभावित हुई है और मवेशी भी नदी का पानी पीकर बीमार हो जाते है। ग्रामीण बोरिंग के पानी का उपयोग नहीं कर सकते है। धार और पीथमपुर के जनप्रतिनिधि कचरा जलाने का लगातार विरोध कर रहे है। उनका कहना है कि इससे पीथमपुर के औद्योगिक विकास पर असर पड़ेगा। जिस जगह कचरा भस्मक लगा है। उसके पास ही आबादी क्षेत्र है। पहले जो कचरा यहां दफनाया गया है, उसकी वजह से काफी परेशानी ग्रामीणों को झेलना पड़ रही है। केंद्रीय मंत्री व धार सांसद सावित्री ठाकुर भी कह चुकी है कि जितनी राशि कंपनी को कचरे के निपटान के लिए दी जा रही है। उतनी राशि में सूनसान क्षेत्र में फैक्टरी लगाकर कचरे को निपटान किया जा रहा है। दूसरे राज्य जिस कचरे को जलाने के लिए तैयार नहीं है। उसे पीथमपुर में क्यों जलाया जा रहा है।

दिलजीत दोसांझ के लाइव कान्सर्ट के आयोजकों ने लगाया 2 करोड़ का चूना!

इंदौर निगम खाते में जमा नहीं किया मनोरंजन कर

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

एक तरफ तो नगर निगम छोटे-मोटे बकायादारों पर लगाम कस रहा है, दूसरी तरफ बड़े-बड़े आयोजन हो जाते हैं और मनोरंजन कर तक जमा नहीं होता। आठ दिसंबर को शहर में दिलजीत दोसांझ लाइव कान्सर्ट हुआ था। 25 हजार से ज्यादा लोग इसमें शामिल हुए थे। टिकट भी हजारों में थे, लेकिन निगम के खाते में मनोरंजन कर के नाम पर एक रूपया भी नहीं पहुंचा।

हालत यह है कि मनोरंजन कर जमा करना तो दूर आयोजक निगम के अधिकारियों के फोन तक नहीं उठा रहे हैं। अब नगर निगम आयोजकों के खिलाफ कानूनी

कार्रवाई की बात कर रहा है। सवाल यह भी है कि आयोजन को 20 दिन से ज्यादा समय बीत चुके हैं, मनोरंजन कर वसूली को लेकर निगम ने अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। अनुमान लगाया जा रहा है कि मनोरंजन कर के रूप में निगम को दो करोड़ से ज्यादा वसूलना हैं।

इंदौर के मांगलिया इलाके में गैस से भरे टैंकर ने दोपहिया वाहन को मारी टक्कर

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

इंदौर के मांगलिया क्षेत्र में एक गैस टैंकर की टक्कर से दो दोस्तों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों अलग-अलग फैक्टरी में काम करते थे। वहां से लौटते समय सांची दूध के डिपो के पास यह हादसा हो गया। दोनों एक एक्टिवा पर सवार थे। हादसे के बाद टैंकर चालक फरार हो गया। पुलिस ने टैंकर चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया है।

क्षिप्रा थाना पुलिस के अनुसार हादसे में विकास राणावत और चंद्रकांत की मौत हो गई। विकास का भाई विपिन भी साथ था, लेकिन उसने विकास को चंद्रकांत के साथ एक्टिवा पर जाने को कहा था। दोनों कुछ ही दूरी पर आए थे, तभी एक टैंकर ने पीछे से एक्टिवा को टक्कर मार दी। टैंकर का पहिया चंद्रकांत के शरीर से गुजर गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पीछे आ रहे विपिन ने विकास और चंद्रकांत को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद चालक मौके से भाग गया। पुलिस ने टैंकर के जब्त कर लिया है। विकास की ढाई साल पहले शादी हुई थी। परिवार में पत्नी, एक बेटा भाई और मां है। चंद्रकांत इकलौता था। दो साल पहले ही उसके पिता की मौत हो गई थी। चंद्रकांत एक दवा फैक्टरी में काम करता था। वह विकास और विपिन का दोस्त था। चंद्रकांत की शादी नहीं हुई थी।

डॉ. की हत्या में महिला से दोस्ती का कनेक्शन, आरोपी गिरफ्तार, जल्द होगा खुलासा

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

इंदौर में होम्योपैथ डॉक्टर सुनील राजपूत की हत्या के मामले में पुलिस ने रविवार को एक आरोपी को गुना से गिरफ्तार किया है। यह आरोपी डॉक्टर के परिवार की एक महिला के संपर्क में था, जिसके साथ उसकी दोस्ती थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने डॉक्टर को रास्ते से हटाने के लिए उनकी हत्या की। इस केस की जांच के लिए पुलिस की पांच टीमें बनाई गई हैं, जिनमें से एक टीम गुना में महिला की भूमिका की जांच कर रही है। इंदौर जोन-1 के डीसीपी विनोद मीणा ने बताया कि पुलिस ने गुना के रहने वाले आशीष को हिरासत में लिया है। पूछताछ में आशीष ने अपने तीन अन्य साथियों के नाम बताए हैं। कॉल डिटेल्स के आधार पर पुलिस को

आरोपी की जानकारी मिली थी।

परिवार की एक महिला के संपर्क में था हत्यारा

आरोपी आशीष एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करता था और नौकरी के दौरान वह महिला के संपर्क में आया था। महिला और आशीष की दोस्ती ही इस हत्या का कारण बनी। हालांकि, पुलिस फिलहाल इस मामले में ज्यादा जानकारी साझा नहीं कर रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा करने की बात कह रही है। 28 वर्षीय डॉक्टर सुनील साहू की शुक्रवार रात 10:30 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह शहर के कुंदन नगर में जीवन धारा हेल्थ क्लिनिक चलाते थे। हत्या की घटना उस समय हुई जब तीन बदमाश सर्दी-जुकाम का इलाज कराने के बहाने क्लिनिक में आए और डॉक्टर पर गोली चला दी। डॉक्टर की शादी डेढ़ साल पहले ही हुई थी।

पिता के नहीं रुक रहे आंसू- डॉ. सुनील साहू के पिता जगदीश प्रसाद साहू ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि उनका एक ही बेटा था, जिसे भगवान ने उनसे छीन लिया। उन्होंने कहा कि अब उनके पास आगे-पीछे कुछ भी नहीं बचा।

तेज ठंडी हवाओं ने कंपकंपाया, दिनभर जमे रहे बादल

इंदौर। इंदौर में रविवार को तेज ठंड रही। कल से जमे बादल आज भी दिनभर सूरज की रोशनी को रोकते रहे। दिनभर से जमे बादलों और तेज ठंडी हवाओं की वजह से दिनभर लोग कंपकंपाते रहे। कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदें भी गिरी। रविवार को दिन का तापमान 21.4 और रात का तापमान 15.4 डिग्री रहा। सोमवार को भी दिनभर बादल रहने और तेज ठंडी हवाएं चलने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार से तेज धूप निकल सकती है।

इंदौर में जनवरी के आखिरी तक शुरू हो जाएगी मेट्रो, 10 रुपये होगा किराया

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

जुलाई तक मेट्रो में रेडिसन चौराहे तक सफर कर सकेंगे शहरवासी

जनवरी के अंत तक शहरवासी मेट्रो में बैठकर सफर कर सकेंगे। हालांकि सुपर कॉरिडोर पर 5.9 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ही मेट्रो चलेगी। ऐसे में शहरवासी मेट्रो के सफर के नए अनुभव के लिए इसमें बैठेंगे। यह संभावना जताई जा रही है कि मेट्रो रेल प्रबंधन इस हिस्से में पांच से छह मेट्रो कोच के साथ संचालन शुरू करेगा। यात्रियों की संख्या के आधार पर मेट्रो कोच चलाने का समय तय किया जाएगा। यह संभावना जताई जा रही है कि मेट्रो रेल प्रबंधन गांधी नगर स्टेशन से सुपर

कॉरिडोर स्टेशन नंबर 3 तक के लिए न्यूनतम 10 रुपये किराया तय करेगा।

कुछ समय के लिए फ्री में सफर कर सकेंगे शहरवासी

ऐसे में 10 रुपये में लोग मेट्रो के सफर का अनुभव ले पाएंगे। हालांकि यह भी संभावना जताई जा रही है कि सीमित समय के लिए मेट्रो में निश्शुल्क सफर का मौका शहरवासियों को दिया जा सकता है। मेट्रो रेल प्रबंधन द्वारा यात्रियों को मेट्रो की सुविधा देने के लिए कमर्शियल रन शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इसके पहले जनवरी के दूसरे सप्ताह में दिल्ली की कमिश्नर आफ मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) की टीम मेट्रो कोच के निरीक्षण के लिए आएगी और उसके बाद तीसरे सप्ताह में 5.9 किलोमीटर के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर बने मेट्रो के पांच स्टेशन का निरीक्षण करेगी। गौरतलब है कि 30 दिसंबर तक मेट्रो रेल प्रबंधन सीएमआरएस को दस्तावेज भेजने की प्रक्रिया को पूर्ण करेगा। इसके बाद भी जनवरी में मेट्रो कोच के निरीक्षण के लिए टीम का आना तय होगा।

11वां मेट्रो कोच सेट इंदौर पहुंचा, एमडी ने किया निरीक्षण

मेट्रो के गांधीनगर डिपो पर वड़ोदरा से मेट्रो का 11वां कोच सेट भी इंदौर पहुंच चुका है। शनिवार को मेट्रो के एमडी एस. कृष्ण चैतन्य ने इस कोच सेट का अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर चल रहे मेट्रो निर्माण कार्य का निरीक्षण कर प्रगति रिपोर्ट भी जानी। एमडी ने डिपो परिसर में हरियाली बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परिसर में सजावटी के बजाए ऐसे पौधे लगाएं, जो जनोपयोगी हो। उन्होंने मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े सभी कांट्रेक्टर को मेट्रो स्टेशन, डिपो के बचे कार्य व बाहरी सुंदरीकरण के कार्य पूरे करने के निर्देश दिए।

जुलाई तक रेडिसन चौराहे तक सफर कर सकेंगे शहरवासी

जनवरी में भले ही कमर्शियल रन के तहत सुपर कॉरिडोर के 5.9 किमी हिस्से में मेट्रो का कर्मशियल रन शुरू किया जा रहा है। जुलाई 2025 तक गांधीनगर डिपो से रेडिसन चौराहे तक मेट्रो का संचालन करने की योजना है। ऐसे में अगले सात महीने में शहरवासी मेट्रो में बैठ सुपर कॉरिडोर से रेडिसन चौराहे तक आ सकेंगे।

गाड़ी चलाते मिले नाबालिग बच्चे तो माता-पिता का लाइसेंस होगा कैंसिल

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

देश के सबसे साफ शहर इंदौर में कलेक्टर आशीष सिंह ने नए साल के जश्न को लेकर बड़ा आदेश दिया है। कलेक्टर आशीष सिंह ने 3123 की रात को रंगबाजी और असामाजिक तत्वों की मूवमेंट्स पर काबू पाने के लिए पुलिस विभाग को अलर्ट कर दिया है। कलेक्टर ऑफिस से निर्देश दिया गया है बिना अनुमति या वैध लाइसेंस के किसी भी प्रकार का आयोजन नहीं किया जाएगा। सडकों पर सुरक्षा को बढ़ाया जा रहा है। इसे देखे हुए निर्देश में यह भी कहा गया है कि अगर ड्रिंक एंड ड्राइव में नाबालिग बच्चे पाए जाते हैं, तो उनके माता पिता का लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

हुड़दंगियों पर होगी कार्रवाई

इस निर्देश को लेकर एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह ने बताया कि नए साले के दिन हुड़दंगियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसा इसलिए क्योंकि बाकी इंदौर निवासियों खास कर की महिलाओं को इन असामाजिक तत्वों से परेशानी न हो। कमिश्नर सिंह ने यह भी बताया कि इंदौर पुलिस इन सब वारदातों को लेकर नो टॉलरेंस की नीति पर काम करेगी। ड्रिंक एंड ड्राइव को लेकर ब्रीथ एनलाइजर भी बुलवाए गए है और पुलिस की गाडियां भी लगातार पेट्रोलिंग करती हुई नजर आएंगी। यही नहीं, जिस होटल, रिसोर्ट, या ऐसी जगह जहां अनुमति लेकर भी जश्न मनाया जा रहा है वहां भी पुलिस तैनात की जाएगी।

माता-पिता का लाइसेंस होगा कैंसिल

एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह ने एक और बड़ी बात को बताया। उन्होंने कहा कि ड्रिंक एंड ड्राइव के मामले में चालकों के लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे। इसके अलावा अगर ड्रिंक एंड ड्राइव में नाबालिग बच्चे पाए जाते हैं, तो उनके माता पिता यानि, जिसके नाम पर भी गाड़ी का रजिस्ट्रेशन होगा उनका लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। इस दिन भी कंट्रोल रुम पर विशेष टीम के माध्यम से इनकी मॉनिटरिंग की जाएगी।

रंगारंग कार्यक्रम में कविता का सम्मान

समाज कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध- परमालिया

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

स्वामी प्रीतम दास सभागृह में हुए रंगारंग कार्यक्रम में बचपन से भक्ति गीत गाती आ रही सुप्रसिद्ध भजन गायिका कविता यादव और एक अलग ही अलख जलाते आ रही जिनकी गायकी से मंत्र मुग्ध कर समा बांध देती है को श्री वासुदेव चंद्रवंशी यादव के प्रदेश पदाधिकारियों ने सम्मानित किया। गणेश वर्मा ने बताया कि संगठन के प्रदेशाध्यक्ष मदन प्रमालिया ने कविता यादव का सम्मान करते हुए कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष एक कलाकार को ग्यारह हजार रुपए की राशि सम्मान स्वरूप दी जाएगी। संगठन के पदाधिकारीयो ने कहा कि कविता यादव की अद्भुत गायकी संगीत और भजन प्रेमियों को आकर्षित करती है और उनकी कला और प्रतिभा को समाज में सराहा जा रहा है। कार्यक्रम में देश,प्रदेश के गायकों के साथ संजय जयंत, मुन्नालाल यादव, सुभाष वरुण, जगमोहन सोन,राजकिशोर यादव, प्रदीप नीम, ओमप्रकाश वरुण आदि थे।

पुलिस की टीम ने सेंट्रल मॉल में चलाया साइबर जनजागरूकता अभियान

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से, पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में इंदौर पुलिस द्वारा लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में एडिशनल कमिश्नर इंदौर श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आज दिनांक 28.12.24 को दोपहर में डीसीपी क्राइम श्री राजेश कुमार त्रिपाठी व एडिशनल डीसीपी क्राइम श्री राजेश दंडोतिया ने यातायात प्रबंधन के लुउ रणजीत सिंह व साइबर वालिएंटीयर्स एवं टीम के साथ सेंट्रल मॉल में पहुँचकर वहां उपस्थित लोगों को साइबर अवेयरनेस हेतु बनाये पम्पलेट्स वितरित कर, उन्हें विभिन्न साइबर फ्रॉड से बचाव हेतु ध्यान रखने वाली बातों की जानकारी दी, और स्वयं जागरूक रहकर, साइबर जागरूकता को बढ़ाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

साहित्य में नई पीढ़ी को लगातार प्रोत्साहन की जरूरत, रचनाकारों ने रखी अपनी बात

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

सम्मान से रचनाकार का हौंसला बढ़ता है। जब हम वरिष्ठ रचनाकारों के साथ नई पीढ़ी के रचनाकारों को सम्मान और लगातार प्रोत्साहन देते हैं तो इससे वह और अधिक बेहतर रचनाकर्म के लिए प्रेरित होते हैं। यह बात साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश के निदेशक डॉ. विकास दवे ने कही। वे रविवार शाम इंदौर प्रेस क्लब के सभागृह में वरिष्ठ शिक्षक और लेखक डॉ. एस. एन. तिवारी की स्मृति में आयोजित सातवें सम्मान समारोह में अध्यक्षीय उदबोधन दे रहे थे। मुख्य अतिथि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और जनसंचार अध्ययनशाला की प्रमुख डॉ. सोनाली सिंह ने साहित्य में सबका साथ, सबका

विकास का भाव लेकर आगे बढ़ने की पैरवी की।

इन्हें सम्मानित किया गया

इस मौके पर पांच रचनाकारों वरिष्ठ लघुकथाकार डॉ. पुरुषोत्तम दुबे, हिन्दी मासिक वीणा के संपादक राकेश शर्मा, वरिष्ठ लेखिका शिक्षाविद डॉ. संगीता सिंघानिया भारूका, वरिष्ठ कहानीकार मनीष वैद्य और युवा कवि एकाग्र शर्मा को इस वर्ष का डॉ. तिवारी स्मृति सम्मान प्रदान किया गया।

शहर के कई साहित्यकार, रचनाकार शामिल हुए- विचार प्रवाह साहित्य मंच के सहयोग से आयोजित इस समारोह में स्वागत भाषण सुषमा दुबे ने, संस्था परिचय अर्चना मंडलोई ने, सम्मानित रचनाकारों का परिचय देवेंद्रसिंह सिसौदिया, सुषमा व्यास, माधुरी व्यास, डॉ. दीपा व्यास और डॉ. आरती दुबे ने दिया। संचालन मुकेश तिवारी ने किया। इस मौके पर उन कई रचनाकारों का भी सम्मान किया गया जिन्हें साहित्य अकादमी ने पुरस्कार देने की घोषणा हाल में की है। समारोह में साहित्य, पत्रकारिता और शिक्षा जगत के अनेक प्रमुख लोगों की उपस्थिति रही।

उज्जैन में 35 हजार मातृशक्तियों ने दिखाया शक्ति संगम, साध्वी ऋतंभरा ने भरा जोश

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

उज्जैन में 'शक्ति संगम' कार्यक्रम में हजारों महिलाओं ने भाग लिया, जिसमें शौर्य यात्रा और विराट सभा का आयोजन हुआ। साध्वी ऋतंभरा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने, शस्त्र और शास्त्र दोनों धारण करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक और सशक्त बनाना था।

उज्जैन में विश्व हिन्दू परिषद, मातृशक्ति और दुर्गा वाहिनी का 'शक्ति संगम' कार्यक्रम हुआ, जिसमें हजारों महिलाएं एकत्रित हुईं। कार्यक्रम की शुरूआत त्रिवेणी संग्रहालय के सामने महाकालेश्वर अन्न क्षेत्र परिसर से शौर्य यात्रा के रूप में हुई। यात्रा गुदरी चौराहा, गोपाल मंदिर, कंठाल, निजातपुरा, कोयला फाटक होते हुए सामाजिक न्याय परिसर स्थित कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। यात्रा में शस्त्र वाहिनी, घोष वाहिनी, ध्वज वाहिनी, साफा वाहिनी और दंड वाहिनी की बहनें शामिल हुईं। कार्यक्रम के

समापन पर विराट सभा का आयोजन हुआ। दुर्गा वाहिनी प्रान्त संयोजिका ज्योतिप्रिया दीदी ने बताया कि देवी अहिल्या और रानी दुर्गावती की जयंती वर्ष में मध्य प्रदेश के 110 स्थानों से मां वंदना यात्रा निकाली गई थी, जिसका समापन महाकाल के आंगन में हुआ। आरती दीदी जायसवाल ने मंच संचालन करते हुए बताया कि जब कार्यक्रम की योजना बनाई थी, तब 10,000 महिलाओं की उम्मीद थी, लेकिन अब 35,000 से अधिक महिलाएं कार्यक्रम में उपस्थित हैं। कार्यक्रम में महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संयोजिका साध्वी ऋतंभरा ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित होकर महिलाओं को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा, आप सभी सौभाग्यशाली हैं, क्योंकि आपने हिन्दू माँ के गर्भ से जन्म लिया है। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें सामाजिक खतरों से सतर्क करना है। साध्वी ऋतंभरा ने महिलाओं को शस्त्र और शास्त्र दोनों धारण करने की प्रेरणा दी। उन्होंने भारतीय नारी की शक्ति और सम्मान को बढ़ाते हुए कहा कि भारत की मिट्टी से प्रेम न करने वाले को यहाँ रहने का अधिकार नहीं होना चाहिए। उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती और रानी अहिल्याबाई जैसी वीरांगनाओं का उदाहरण देते हुए महिलाओं को प्रेरित किया। यह आयोजन महिलाओं को जागरूक और सशक्त बनाने के लिए किया गया, जिसमें छोटी बच्चियों से लेकर युवतियों और महिलाओं तक ने भाग लिया।

बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंची साध्वी ऋतंभरा

विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति और दुगार्वाहिनी मालवा प्रांत का शक्ति संगम आज उज्जैन में आयोजित हुआ, जिसमें शामिल होने के लिए साध्वी ऋतंभरा धार्मिक नगरी पहुंचीं। यहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में बाबा महाकाल का पूजन-अर्चन और अभिषेक किया तथा विश्व शांति की कामना की। महाकालेश्वर मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि साध्वी ऋतंभरा ने मंदिर के गर्भगृह में पुजारी प्रशांत गुरु के माध्यम से विधिवत पूजन-अर्चन किया। पूजन के बाद साध्वी ने बाबा महाकाल को तीनों लोकों के कष्ट हरने वाला बताते हुए कहा, ह्लभोले बाबा बहुत प्यारे हैं। उनके दर्शन कर मैं धन्य हो गई। साध्वी ऋतंभरा ने शक्ति संगम में मातृशक्तियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि उज्जैन की गलियां और सड़कों पर जय श्री राम और जय महाकाल के गगनभेदी नारों ने यहां का वातावरण भक्तिमय बना दिया है। उन्होंने कहा कि मातृशक्तियां समाज की प्रेरणास्त्रोत हैं, और

उनके इस सामूहिक उत्साह में देश का उज्ज्वल भविष्य दिखाई देता है। साध्वी ऋतंभरा एक प्रख्यात आध्यात्मिक नेत्री हैं, जिन्होंने कई मानवतावादी और सामाजिक प्रकल्पों को प्रेरित किया है। ह्ववात्सल्य ग्रामह्ल की संकल्पना उनकी अनुपम देन है। साध्वी जी अयोध्या राम मंदिर आंदोलन का प्रमुख हिस्सा रही हैं, और उनकी भूमिका को हमेशा ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना गया है।

एमपी के भोपाल शहर में 759 करोड़ से बनेंगे 4 फ्लाईओवर-अंडरपास

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में लोगों को ट्रैफिक जाम से निजात मिलेगी और शहर की सड़कों पर गाड़ियां सरपट दौड़ेंगी। दरअसल भोपाल में पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के 6 और बड़े प्रोजेक्ट को जमीन पर उतारने की तैयारी चल रही है। सरकार की योजना है कि भोपाल में तीन नए फ्लाईओवर व वाहनों के लिए अंडरपास बनाने की योजना है। इतना ही नहीं सीमेंट और कांक्रीट की फोर व सिक्स लेन रोड भी बनाई जाएंगी। इन पर 759 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। सेंट्रल रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड से यह प्रोजेक्ट कराने की तैयारी की जा रही है।

कोलार इलाके में तेजी से बढ़

रहे ट्रैफिक के दबाव को देखते हुए पीडब्ल्यूडी ने सर्वधर्म चौराहे परफ्लाईओवर की शुरूआती प्लानिंग की है । यह फोरलेन का होगा और इसकी लंबाई 1550 मीटर होगी इसके निर्माण में 158 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। बिट्टन मार्केट चौराहे पर भी फोरलेन फ्लाईओवर के निर्माण की जरूरत बताई गई है। यह करीब 700 मीटर लंबा होगा और इसकी अनुमानित लागत 67 करोड़ रुपए होगी। भोपाल के सबसे व्यस्ततम मार्गों में शामिल ज्योति टॉकीज चौराहे पर पीडब्ल्यूडी ने अलग ही योजना बनाई है। यहां व्हीकुलर अंडरपास बनाया जाएगा। इसकी चौड़ाई 3 लेन की होगी और लंबाई 170 मीटर के आसपास होगी। इस पर 35 करोड़ रुपए खर्च होगा। बता दें कि सेंट्रल रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड से पहले से ही भोपाल में दो बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं। पहला गणेश मंदिर से गायत्री शक्तिपीठ जीजी फ्लाईओवर के निर्माण के लिए केन्द्र ने राशि मुहैया कराई है। अब ये प्रोजेक्ट पूरा होने की कगार पर है। इसी तरह से लाउखेड़ी पंप हाउस से बैरागढ़ विसर्जन घाट तक डबल डेकर एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण भी शुरू हो गया है। हालांकि सीआरईएफ से मंजूर राशि से इसका काम पूरा नहीं हो पाएगा। इसकी वजह कॉरिडोर की मूल योजना में बदलाव किया जाना है। ऐसा होने से इसकी लागत बढ़कर 300 करोड़ के पार पहुंच चुकी है और अंतर की राशि की व्यवस्था पीडब्ल्यूडी विभाग को करनी है।

एमपी के 72 लाख कर्मचारियों को नए साल में मिलने वाली है बड़ी सौगात

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

मध्यप्रदेश के 72 लाख रजिस्टर्ड कर्मचारियों के लिए एक बड़ी खबर है। नए साल से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन कई बड़े बदलाव करने जा रहा है जिसका फायदा सीधे तौर पर इन कर्मचारियों को होने वाला है। सबसे बड़ा फायदा ये होने वाला है कि नए साल से होने वाले बदलाव के बाद कर्मचारियों को अपने पीएफ का पैसा निकालने के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगें और वो एटीएम कार्डसे पीएफ का पैसा निकाल सकेंगे।

कर्मचारी अपनी भविष्य निधि यानि पीएफ का पैसा एटीएम कार्ड से निकाल सकेंगे। ईपीएफओ अपने सदस्यों को एटीएम कार्ड जारी करेगा। ईपीएफओ सीपीपीएस लागू करने जा रहा है जिसके बाद पेंशन धारक देश भर में किसी भी बैंक की शाखा से पेंशन निकाल सकेंगे। बता दें कि अभी तक कई बार जरूरत के वक्त चाहकर भी कर्मचारी अपने पीएफ का पैसा नहीं निकाल पाते थे। या कई बार सही वक्त पर उन्हें पीएफ का पैसा नहीं मिल पाता था। लेकिन एटीएम कार्ड जारी किए जाने के बाद जब आवश्यकता होगी कर्मचारी अपने पीएफ का पैसा एटीएम से निकाल सकेगें और पीएफ के पैसों के लिए उन्हें दफ्तरों के चक्कर भी नहीं लगाने पड़ेंगे। इसके साथ ही ईपीएफओ अपनी निधि के बेहतर रिटर्न के लिए भी कुछ नए प्रयास करने जा रहा है जिससे कि कर्मचारियों की जमा निधि पर बेहतर रिटर्न मिलने की उम्मीद है।

तलाक के बाद पति की जगह पत्नी ने मांगी अनुकंपा नियुक्ति

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

रेलवे के एक कर्मचारी की मौत के बाद अनुकंपा नियुक्ति को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पत्नी के आवेदन करने पर आपत्ति जताते हुए परिवार ने दावा किया है कि उनके बेटे के मौत के पहले ही बहू तलाक ले चुकी थी। इसलिए उसे अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी जा सकती।

परिवार की ओर से केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) में दायर की गई याचिका पर कैट के न्यायिक सदस्य न्यायाधीश एके श्रीवास्तव की एकलपीठ ने रेलवे के अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता मृतक कर्मचारी की मां की ओर से तर्क दिया कि तलाक के बाद पूर्व पत्नी का परिवार से संबंध नहीं रह गया, इसलिए अनुकंपा नियुक्ति का अधिकार छोटे भाई को मिलना चाहिए। एकलपीठ ने मामले में केंद्र सरकार, पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक, डीआरएम जबलपुर, सीनियर डीपीओ और अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। यह मामला होशंगाबाद (नर्मदापुरम) निवासी बिंद्रा बाई व अनिकेत मेहरा द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। याचिकाकताओं का कहना है कि दामोदर मेहरा, जो रेलवे कर्मचारी थे, का निधन 14 फरवरी 2011 को हुआ था। इसके बाद उनके बड़े पुत्र राहुल को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई। राहुल ने लिखित में परिवार के भरण-पोषण का आश्वासन दिया था। दावा किया गया कि राहुल का सात मई 2022 को विवाह हुआ और कुछ समय बाद उनकी पत्नी ने तलाक के लिए आवेदन कर दिया।

खातों में नहीं पहुंची पहली किस्त

भोपाल। मध्यप्रदेश के सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां उनके एरियर की पहली किस्त उनके खाते में नहीं पहुंची है। दिसंबर महीने में एरियर की पहली किस्त का भुगतान होना था। दरअसल, 28 अक्टूबर को सरकार के द्वारा वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश में 4% महंगाई भत्ते में वृद्धि के साथ जनवरी 24 से सितंबर 24 तक 9 महीने का एरियर चार किस्तों में देने को कहा गया था। मगर, अभी तक कर्मचारी इससे वंचित हैं। दीपावली के अवसर पर जल्दी वेतन देने के कारण 4 प्रतिशत महंगाई भत्ते के 28 अक्टूबर को आदेश होने के बावजूद लाभ नहीं मिल पाया था। अक्टूबर महीने का लाभ भी जुड़ने से 10 महीने की राशि चार किस्तों में दी जानी थी। जिसकी पहली किस्त दिसंबर 2024 को खाते में जारी होनी थी।

सोयाबीन उत्पादन में मध्य प्रदेश पहले नंबर पर, 31 दिसंबर तक सात लाख टन खरीदी का अनुमान

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

देश के कुल सोयाबीन उत्पादन का लगभग आधा उत्पादन मध्य प्रदेश में होता है। मध्य प्रदेश संपूर्ण देश में सोयाबीन उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। किसानों के परिश्रम और किसानों के हित में शासन द्वारा की गई बेहतर व्यवस्थाओं से मध्य प्रदेश इस उपलब्धि को प्राप्त कर सका है। कृषि अर्थव्यवस्था को व्यापक पैदावार से महत्वपूर्ण योगदान मिलता है।

खरीफ की फसलों में सर्वाधिक बोई जाने वाली फसल सोयाबीन ही है। प्रदेश में सोयाबीन का रकबा और उत्पादन बढ़ रहा है। गत वर्ष की तुलना में प्रदेश के सोयाबीन के रकबे में लगभग 2 प्रतिशत वृद्धि हुई है। वर्तमान में प्रदेश का सोयाबीन का रकबा 66 लाख हैक्टेयर से अधिक है। प्रदेश में 31 दिसंबर तक लगभग 6.5 से 7 लाख मीट्रिक टन तक सोयाबीन का उपार्जन पूर्ण हो जाने का अनुमान है। बता दें कि मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र और राजस्थान को पीछे छोड़कर सोयाबीन के सबसे बड़े उत्पादक राज्य बनने में सफलता प्राप्त की है। मध्य प्रदेश सरकार ने किसानों को सोयाबीन के लिए 4 हजार 892 रुपये की राशि प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य के रूप में देने की व्यवस्था की है। प्रदेश में सोयाबीन उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि को देखते हुए उपार्जन की आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

किसानों को बिना कठिनाई हो भुगतान : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर किसानों से उपार्जित सोयाबीन के लिए राशि का भुगतान बिना कठिनाई के किया जा रहा है। सोयाबीन के भंडारण और उपार्जित सोयाबीन की सुरक्षा के प्रबंध भी किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश हैं कि किसानों को उपार्जन की आधुनिक व्यवस्थाओं का लाभ दिलवाया जाए। प्रदेश में पहली बार सोयाबीन का समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जा रहा है। ई-उपार्जन पोर्टल का उपयोग भी किया जा रहा है। किसानों को ऑन लाइन राशि के भुगतान की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में लगभग दो लाख किसानों को 1957.1 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान उपार्जन के रूप में अब तक किया जा चुका है। प्रदेश में भुगतान का प्रतिशत 70.41 है। राशि के भुगतान में नीमच जिला अग्रणी है, जहां शत-प्रतिशत किसानों को राशि दी जा चुकी है।